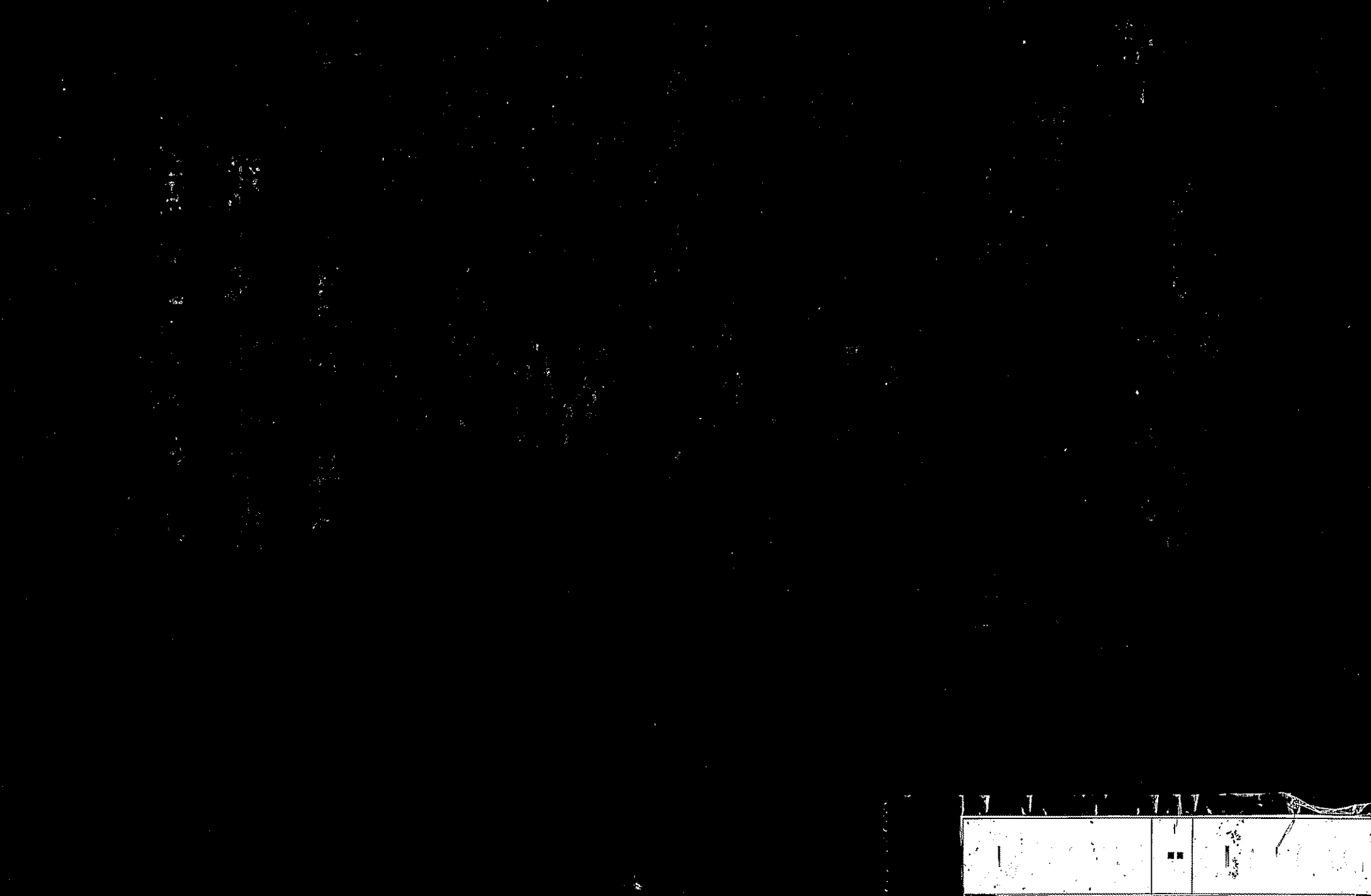

कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों का हिन्दीभाषा अधिगम उपलब्धि में होनेवाली त्रुटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

D-279

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

अनुसंधान कर्ता
दिपक व्हि. शिंदे
एम. एड्. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं **दिपक व्हि. शिंदे,** छात्र एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि माध्यमिक स्तर पर छात्रों के **"कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों का हिन्दीभाषा अधिगम उपलब्धि में होनेवाली त्रुटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2008–09 में मेरे द्वारा डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण प्रवाचक शिक्षा विभाग,

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2008–09 की उपाधि परीक्षा के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में दिये गये ऑकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं, तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

27/04/09

शोधकर्ता
दिपक व्हि. शिंदे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल

स्थान– भोपाल

दिनांक– 27/ 04 / 2009

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल की एम. एड. (आर.आइ.ई.) का छात्र श्री शिंदे दिपक विश्वनाथ ने मेरे मार्गदर्शन में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित सन् 2008–09 की एम.एड. (आर.आइ.ई.) उपाधि परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु माध्यमिक स्तर पर **"कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों का हिन्दी भाषा अधिगम उपलब्धि में होने वाली त्रुटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन–"** विषय पर शोध कार्य लगन, निष्ठा एवं पूरी ईमानदारी से किया है। यह लघुशोध प्रबंध इनकी मौलिक कृति है।

मार्गदर्शक
डॉ. यू.लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

स्थान– भोपाल

दिनांक–

आभार–ज्ञापन

आप सभी लोगों का आभार व्यक्त करना कठिन है, आपके अमूल्य सहयोग व मार्गदर्शन के लिए शब्द कम पड़ते है।

सर्वप्रथम मैं अपने मार्गदर्शक, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण प्रवक्ता (शिक्षा) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान का सहृदय से आभारी हूँ, जिन्होनें शोध को प्रतिरूप देने में मार्गदर्शन किया।

मैं, परम् आदरणीय प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता डॉ. विजय कुमार सुनवानी, शिक्षा विभाग के विभाग प्रमुख डॉ.एस.के. गोयल प्रवक्ता (शिक्षा) तथा डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव भूतपूर्व विभाग प्रमुख, शिक्षा विभाग जिन्होने अमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग किया।

शिक्षा विभाग के डॉ.के.के.खरे, प्रवक्ता (शिक्षा), श्री संजयकुमार पंडागले, व्याख्यता (शिक्षा) तथा डॉ. अंजली सुहाने व्याख्याता क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का आभारी हूँ जिन्होनें सांख्यिकीय कार्य में अतुलनीय सहायता की।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान शिक्षा विभाग के डॉ.एस.के. गुप्ता,, डॉ. एम.यू. पैईली, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनिती खरे, डॉ. बासन्सी खारलुखी आदी शिक्षक, जिन्होनें शोध संगोष्ठी के माध्यम से सदैव मार्गदर्शन किया।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के पुस्तकालय विभाग के श्री पी.के. त्रिपाठी व समस्त कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ।

मैं कृतज्ञ हूँ मेरे माता-पिताजी, भाई एवं घर के तथा परिवार के सभी सदस्यों का जिनकी शुभकामनाओं से कार्य में गति मिली।

साथ ही समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों के अतुलनीय सहयोग का हृदय से आभारी हूँ। मैं आभारी हूँ तथा धन्यवाद देता हूँ, सभी विद्यार्थीगण जिन्होनें धैर्यपूर्ण होकर ऑकड़े के संकलन में सहयोग प्रदान किया।

अततः मैं अपने सभी सहपाठियों का विशेष रूप से आभारी हूँ, जिन्होनें कदम-कदम पर कार्य पूर्ण करने में मुझे प्रोत्साहन तथा सहायता प्रदान की।

शोधकर्ता
दिपक व्हि. शिंदे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी. भोपाल

स्थान- भोपाल

दिनांक- 27/04/2009

विषय सूची

विषय सूची

		पृष्ठ कमांक
मुखपृष्ठ		I
घोषणा पत्र		II
प्रमाण पत्र		III
अभार ज्ञापन		IV-V
अध्याय–प्रथम		
शोध परिचय		**1–14**
1.1	प्रस्तावना	1
1.2	भाषा का विकास	1
1.3	द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का महत्व	3
1.4	माध्यमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण	5
1.5	हिन्दीभाषा में लेखन कौशल का महत्व	6
1.6	लेखन की सामान्य त्रुटियाँ	8
1.7	समस्या कथन	11
1.8	शोध की आवश्यकता	11
1.9	अध्ययन के उद्देश्य	12
1.10	अध्ययन की परिकल्पना	12
1.11	शब्दज्ञान	13
1.12	समस्या का सीमाकंन	13

अध्याय–द्वितीय

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 15–20

2.1	भूमिका	15
2.2	सबंधित शोध साहित्य	16
2.3	एम.एड्. स्तर पर हुए शोधकार्य	19

अध्याय–तृतीय

शोध प्रविधि 21–27

3.1	भूमिका	21
3.2	शोध प्रविधि	21
3.3	प्रयुक्त चर	22
3.4	न्यादर्श के चयन	22
3.5	उपकरण का निर्माण	24
3.6	प्रयुक्त सांख्यिकी	27

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या 28–49

4.1	भूमिका	28
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	28

भाग–1

	परिकल्पना क्रमांक–1	29
	परिकल्पना क्रमांक–2	30
	परिकल्पना क्रमांक–3	31
	परिकल्पना क्रमांक–4	32
	परिकल्पना क्रमांक–5	33
	परिकल्पना क्रमांक–6	34
	परिकल्पना क्रमांक–7	36

भाग–2

4.3	गुणात्मक विवरण	38
	विरामचिह्न की त्रुटि	38
	बिन्दुगत त्रुटि	40
	मात्रा संबंधी त्रुटि	42
	शब्दों की त्रुटि	43
	अक्षर की त्रुटि	45
	योजन चिह्न की त्रुटि	46
	हलन्त की त्रुटि	47
	लिंग की त्रुटि	47
	वचन की त्रुटि	48
	मातृभाषा शब्द का प्रयोग	49

अध्याय–पंचम

शोध सारांश ,निष्कर्ष एवं सुझाव 50–56

5.1 भूमिका 50

5.2 परिणाम 51

5.3 समस्या कथन 52

5.4 अध्ययन के उद्देश्य 52

5.5 अध्ययन की परिकल्पना 53

5.6 अध्ययन का सीमाकंन 53

5.7 प्रयुक्त चर 54

5.8 न्यादर्श के चयन 54

5.9 सुझाव 55

5.10 भावी शोध हेतु सुझाव 56

5.11 शैक्षिक उपयोग 56

संदर्भ ग्रंथ सूची V-VI

परिशिष्ट VII

तालिका सूची

		पृष्ठ कमांक
4.2.1	भाषा संबंधी त्रुटियों का प्रभाव का एफ अनुपात की तुलना	29
4.2.2	भाषा संबंधी व्याकरण त्रुटियों का प्रभाव का एफ अनुपात की तुलना	30
4.2.3	भाषा संबंधी पत्रलेखन त्रुटियों का प्रभाव का एफ अनुपात की तुलना	31
4.2.4	भाषा संबंधी निबंधलेखन की त्रुटियों का प्रभाव का एफ अनुपात की तुलना	32
4.2.5	भाषा संबंधी अनुवाद लेखन की त्रुटियों का प्रभाव का की एफ का अनुपात की तुलना	33
4.2.6	बालक एवं बालिकाओं की हिन्दीभाषा अधिगम में होने वाली त्रुटियों का टी मूल्य की तुलना	34
4.2.7	बालक एवं बालिकाओं की हिन्दीभाषा अधिगम में होने वाली त्रुटियों के घटकों का टी मूल्य की सार्थकता	35
4.2.8	शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों का हिन्दीभाषा अधिगम में होनेवाली त्रुटियों का टी मूल्य की तुलना।	36

4.2.9	शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों का हिन्दीभाषा अधिगम में होनेवाली त्रुटियों के घटकों का टी मूल्य की सार्थकता	37
4.3.1	विराम चिह्न की त्रुटि	38
4.3.2	बिन्दुगत त्रुटि	41
4.3.3	मात्राओं की त्रुटि	42
4.3.4	शब्दो की त्रुटि	43
4.3.5	अक्षर की त्रुटि	45
4.3.6	योजक चिह्न की त्रुटि	47
4.3.7	हलन्त की त्रुटि	47
4.3.8	लिंग की त्रुटि	48
4.3.9	वचन की त्रुटि	48
4.3.10	मातृभाषा शब्द का प्रयोग	49